दिनांक 19.09.2018 को मुख्यालय पर समस्त ज्वाइन्ट कमिश्नर (कार्पोरेट सर्किल) की समीक्षा बैठक कार्यवृत्त

कमिश्नर, वाणिज्य कर उ0प्र0 द्वारा बैठक में समीक्षोपरान्त समस्त ज्वाइन्ट कमिश्नर (कार्पो0 सर्किल) से निम्नवत कार्य बिन्दुओं पर अपेक्षित कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये।

1. प्रदेश के समस्त कार्पोरेट सर्किल में वर्ष 2018–19 के कालबाधित नियमित वादों की दि0 01.04.2018 को अवशेष सं0 1368 के सापेक्ष केवल 336 वादों का निस्तारण किया गया। कार्पो0 सर्किल लखनऊ प्रथम व आगरा में शून्य निस्तारण है जो घोर आपत्तिजनक है। फिरोजाबाद में 3, सोनभद्र में 4, कानपुर प्रथम/द्वितीय में 5/6, बरेली में 8 एवं नोएडा में 9 वादों का अभी तक निस्तारण किया गया, जिसपर कमिश्नर महोदया द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को निर्देशित किया गया कि वर्ष 2015–16 के साथ–साथ वर्ष 2016–17 के वादों का भी निस्तारण इसी वर्ष सुनिश्चित किया जाये।
2. समस्त कार्पो0 सर्किल में कुल वि0अनु0शा0 संदर्भित वादों की संख्या 111 है जिसमें केवल 30 वादों का निस्तारण किया गया। यह स्थिति असन्तोषजनक है। कार्पो0सर्किल गाजियाबाद प्रथम, लखनऊ द्वितीय, कानपुर द्वितीय एवं आगरा में शून्य निस्तारण होने पर कमिश्नर महोदया द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की गई। निर्देशित किया गया कि दिसम्बर–18 तक सभी वि0अनु0शा0 संदर्भित वादों का निस्तारण पूर्ण किया जाये।
3. कार्पो0सर्किल कानपुर प्रथम में 05 नियमित वादो कें निस्तारण से कुल 55 हजार की मांग सृजित हुई जो जमा भी नही हुआ। कमिश्नर महोदया द्वारा सभी 05 निस्तारित वादों की पत्रावली पुनरीक्षण हेतु मुख्यालय के निरीक्षण अनुभाग में भेजने के लिए निर्देशित किया गया।

(बिन्दु सं0 01 से 03 तक समस्त ज्वा0कमि0(कार्पो0) अनु0 ज्वा0कमि0(निरीक्षण)

4. बकाया वसूली की समीक्षा में सभी को निर्देशित किया गया है कि समस्त आर0सी0 विभागीय वेबसाइट के मॉडयूल में अपलोड करायी जाए तथा सृजित मांग की वसूली प्रत्येक दशा में पूर्ण की जाये।
5. कार्पो सर्किल के बकाया वसूली के विवरण एमपीआर–5 में माह के अन्त में शुद्ध वसूली योग्य बकाया रू0 44.40 करोड दर्शायी गयी है। नियमानुसार कार्यवाही करते हुये वसूली सुनिश्चित की जाये।

(बिन्दु सं0 04 से 05 तक समस्त ज्वा0कमि0(कार्पो0) अनु0 ज्वा0कमि0(संग्रह)

6. बैठक में जी0एस0टी0 के अन्तर्गत कार्पो0सर्किल की व्यवस्था के सन्दर्भ में विचार विमर्श किया गया। कार्पो0सर्किल के स्वरूप हेतु जी0एस0टी0 एवं सेवा क्षेत्र के संदर्भ में महत्वपूर्ण विचार रखे गये। अपेक्षा की गयी कार्पो0 सर्किल के नवीन स्वरूप के सन्दर्भ में अपने सुझाव/विचार अतिशीध्र उपलब्ध कराया जाए तथा Online hearing किये जाने पर अभिमत दि0 03.10.18 तक उपलब्ध कराये जाये ताकि कार्पो0सर्किल का स्वरूप नियत किया जा सके।

(समस्त ज्वा0कमि0(कार्पो0) अनु0 ज्वा0कमि0(जी0एस0टी0/विधि)

बैठक के अन्त में राजस्व संग्रह वृद्धि हेतु हर सम्भव प्रयास सुनिश्चित करने एवं गत वर्ष के सभी कर निर्धारण वादों को इसी वित्तीय वर्ष में निस्तारण करने की अपेक्षा के साथ सधन्यवाद बैठक समाप्त की गयी।

यह कार्यवृत्त कमिश्नर,वाणिज्य कर, उ0प्र से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में जारी किया जा रहा है।

22/9/2018

(ए0के0 शुक्ला)
एडीशनल कमिश्नर (विधि), वाणिज्य कर
उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या–एस0एस0कार्पो समीक्षा बैठक–18–19/ 450 /वाणिज्य कर(संख्या अनु0) दि0 27-9-2018

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1–समस्त एडीशनल कमिश्नर ग्रेड–1, वाणिज्य कर, उत्तर प्रदेश।
2–समस्त एडीशनल कमिश्नर(प्रशासन/विधि/जी0एस0टी0) वाणिज्य कर, मुख्यालय।
3–समस्त ज्वाइन्ट कमिश्नर (कार्पो0सर्किल) वाणिज्य कर, उत्तर प्रदेश।
4–ज्वाइन्ट कमिश्नर (संग्रह/धारा–59/निरीक्षण/संख्या) वाणिज्य कर, मुख्यालय।
5–वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी प्रथम/द्वितीय, वाणिज्य कर, मुख्यालय।
6–डिप्टी कमिश्नर (आई0टी0) वाणिज्य कर को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

27.9.18

ज्वाइन्ट डायरेक्टर(संख्या), वाणिज्य कर
मुख्यालय, लखनऊ।